पटना विश्वविद्यालय
Patna University
Estd. 1917

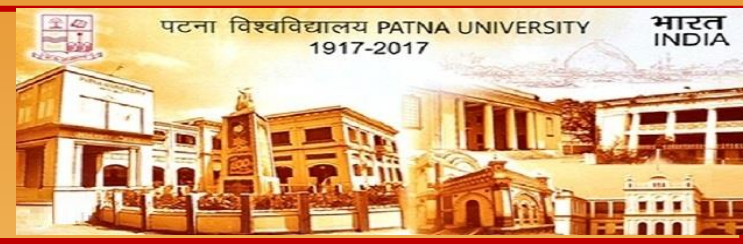

Patna University In News (29.08.2022)

इंजीनियरिंग संस्थानों व सेंट्रल यूनिवर्सिटी के तर्ज पर पीयू में भी होगा इंटर्नल इवैल्यूएशन

जो शिक्षक पढ़ायेंगे, वही कॉपी भी जांचेंगे

अमित कुमार, पटना

पटना विश्वविद्यालय में च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के तहत जो नया एग्जामिनेशन रेगुलेशन बनाया गया है, उसमें इंटर्नल इवैल्यूएशन सिस्टम का प्रावधान किया गया है. इसके तहत विवि में उक्त कोर्स को जो शिक्षक पढ़ा रहे हैं, वे शिक्षक इंटर्नल एसेसमेंट के साथ-साथ इंटर्नल इवैल्यूएशन (आंतरिक मूल्यांकन) भी करेंगे. इंजीनियरिंग संस्थानों व सेंट्रल यूनिवर्सिटी आदि संस्थानों में यह प्रावधान पहले से लागू है. उसे पटना विश्वविद्यालय में भी लागू किया जायेगा. स्नातक में इसी सत्र 2022-25 सत्र में इसी पैटर्न पर सेमेस्टर परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन किया जायेगा. पहले से चल रहे सीबीसीएस कोर्स के

स्नातक सामान्य कोर्स में सीबीसीएस के तहत एग्जामिनेशन रेगुलेशन में इंटर्नल इवैल्यूएशन का प्रावधान कर दिया गया है. इस सत्र से ही उसे लागू किया जा रहा है. पीयू के अन्य सभी कोर्स में भी इसी व्यवस्था को लागू करने की तैयारी चल रही है.

प्रो बीरेंद्र कुमार, आइटी सेल के निदेशक, पीयू

रेगुलेशन में भी होगा बदलाव

पटना विश्वविद्यालय में पीजी व स्नातक वोकेशनल कोर्स में पहले ही सीबीसीएस लागू कर दिया गया था. उसमें फिलहाल पुराने पैटर्न से ही कॉपियों की जांच हो रही है. वहीं पेपर सेटिंग मॉडरेशन बोर्ड करता है. सेंट्रलाइज्ड मूल्यांकन विवि के द्वारा लागू करने बाद विवि में ही कॉपियों की जांच की व्यवस्था भी की गयी है जहां विवि के और बाहरी शिक्षक दोनों ही मिल कर कॉपियों की जांच करते हैं. लेकिन उसमें थोड़ी देरी होती है. विवि के आइटी सेल के निदेशक प्रो बीरेंद्र प्रसाद कहते हैं कि बाहरी सीनियर शिक्षक या रिटायर्ड शिक्षकों पर हमलोग अधिक दबाव नहीं दे सकते. अपने शिक्षकों से अगर मूल्यांकन कार्य होता है, तो उनके ऊपर एक जिम्मेदारी रहेगी और तेजी से मूल्यांकन कार्य पूरा भी होगा. ऐसा कई दूसरे संस्थान कर भी कर रहें हैं. इसमें कहीं से कोई समस्या नहीं है.

गेस्ट फैकल्टी भी इंटर्नल इवैल्यूशन में होंगे शामिल

प्रो बीरेंद्र ने कहा कि शिक्षकों की कमी है तो गेस्ट फैकल्टी से भी हम ऐसा करा सकते हैं. जब वे शिक्षक इस काबिल हैं कि बच्चों को पढ़ा सकते हैं, तो कॉपियों की जांच भी कर सकते हैं. जहां तक पक्षपात की बात है तो पहले की ही तरह कोडिंग व डिकोडिंग अन्य चेक प्वॉइंट रहेंगे.

प्रभात खबर Mon, 29 August 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/69907709

यूजीसी की टीम लौटी, फंड डायवर्सन कर दूसरे मदों में राशि खर्च करने वालों पर होगी एफआइआर

10% कॉलेजों का बाकी रह गया हिसाब

पटना विश्वविद्यालय

संवाददाता, पटना

करीब दस प्रतिशत कॉलेज हिसाब नहीं दे पाये हैं. ज्यादातर में फंड डायवर्सन कर दूसरे मद में राशि खर्च देने का मामला है. अब यूजीसी उक्त राशि की मांग कर रही है.

प्रो परिमल खान, विकास पदाधिकारी, पीयू

पटना विश्वविद्यालय में यूजीसी की टीम ने एक सप्ताह तक कैंप करने के बाद रविवार को देर शाम लौट गयी. यूजीसी ने 325 कॉलेजों को करीब 333 करोड़ रुपये आवंटित किये थे. इसमें से करीब 90 करोड़ रुपये का बकाया था. इसमें करीब 80 करोड़ रुपये का हिसाब कॉलेज दे पाये. पटना हाइकोर्ट के द्वारा यूजीसी को 8 सितंबर तक सभी कॉलेजों से बकाया लेकर रिपोर्ट देने को कहा था. यूजीसी ने हिसाब ले लिया है, जिसमें दस प्रतिशत कॉलेज अभी भी हिसाब नहीं दे सके हैं. दो सितंबर को यूजीसी की टीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगी. इसके बाद कोर्ट निर्णय करेगा कि इन कॉलेजों का क्या करना है. हालांकि यूजीसी ने ऐसे कॉलेजों को 31 अगस्त तक की मोहलत दी है और कहा है कि अगर कोलकाता जोनल ऑफिस आकर वे अपना डॉक्यूमेंट्स प्रस्तुत कर देते हैं, या राशि लौटा देते हैं तो उन्हें रिपोर्ट में शामिल कर लिया जायेगा. इस दौरान अगर वे ऐसा नहीं कर पाये तो 7 सितंबर को पटना हाइकोर्ट में हियरिंग होगी, उसमें उनसे जवाब तलब किया जायेगा. कुछ कॉलेजों का फंड डायवर्सन का मामला है जिसका हिसाब कॉलेज नहीं दे पा रहे हैं. इसमें दूसरे मद के लिए आयी राशि को तात्कालिक प्राचार्यों के द्वारा किसी दूसरे मद में खर्च कर दिया गया है. इसमें एलएन मिथिला यूनिवर्सिटी के कुछ कॉलेज हैं. वहीं कुछ अन्य कॉलेज भी हैं. एलएन मिथिला यूनिवर्सिटी के मारवाड़ी कॉलेज, दरभंगा का है. जहां कॉलेज के तत्कालीन प्राचार्य डॉ मुश्ताक अहमद के द्वारा दसवीं पंचवर्षीय योजना के तहत वीमेंस हॉस्टल का 3750000 का फंड किसी दूसरे मद में खर्च कर दिया. यूजीसी ने उक्त राशि को यूजीसी के खाते में रिफंड करने की मांग की है. ऐसा ही एक अन्य मामला मिल्लत कॉलेज का भी है, वहां भी डॉ मुश्ताक अहमद ही प्राचार्य थे. वे वर्तमान में मिथिला यूनिवर्सिटी, दरभंगा के रजिस्ट्रार के पद पर हैं.

प्रभात खबर Mon, 29 August 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/69908729

पीयू : स्पॉट राउंड के लिए 1800 आवेदन आये

संवाददाता, पटना

पटना विश्वविद्यालय में स्पॉट राउंड के लिए 1800 आवेदन आये हैं. रविवार को सिर्फ दोपहर दो बजे तक आवेदन लेने के बाद पोर्टल को बंद कर दिया गया. इनमें 1587 आवेदन सामान्य कोर्स के लिए और 213 आवेदन वोकेशनल कोर्स के लिए आये हैं. जो सीटें खाली रह गयी हैं, उनके अनुसार मेरिट लिस्ट रविवार को ही देर रात जारी कर दी गयी. उसके अनुसार नामांकन 30 व 31 अगस्त को लिया जायेगा. 31 अगस्त को ही देर रात नामांकन को पूरी तरह से क्लोज कर दिया जायेगा और कोई भी नामांकन इसके बाद नहीं लिया जायेगा. एक सितंबर को इंडक्शन मीट सभी कॉलेजों में आयोजित किया जायेगा. चाहें तो संबंधित विभाग इसके बाद अलग से अपने विभागों में भी छोटे स्तर पर इंडक्शन मीट कर सकते हैं. दो सितंबर से सभी नये छात्र-छात्राओं की कक्षाएं शुरू हो जायेंगी. सभी कक्षाएं ऑफलाइन मोड में अनिवार्य तौर पर चलेंगी.

पीजी में सात सितंबर तक आवेदन

स्नातकोत्तर में नामांकन के लिए आवेदन की प्रक्रिया चल रही है. सात सितंबर तक नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन लिया जायेगा. इसके बाद पोर्टल को क्लोज कर दिया जायेगा.

प्रभात खबर Mon, 29 August 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/69906071

एलएलबी में आवेदन 31 तक

जासं, पटना : पटना विश्वविद्यालय में एलएलबी में नामांकन के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। विद्यार्थी 31 अगस्त 2022 तक आवेदन कर सकते हैं। एलएलबी में नामांकन प्रवेश परीक्षा के आधार पर लिया जाएगा। एलएलबी में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा तिथि घोषित नहीं की गई है।

दैनिक जागरण